No. of Printed Pages : 3

OULE-005

DIPLOMA IN URDU LANGUAGES (DUL)

00616

Term-End Examination

December, 2013

OULE-005 : PRINCIPLES OF TRANSLATION

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

نوٹ: کل پانچ سوال حل کیجئے۔ سبھی سوالوں کے نمبر مساوی ہیں۔

1. ترجمہ کے اصولوں سے بحث کیجئے۔ 10

یا

ترجمے کے اقسام تحریر کیجئے۔

2. اردو میں ترجمہ کی روایت سے بحث کیجئے۔ 10

یا

دارالترجمہ عثمانیہ کی خدمات پر روشنی ڈالیے۔

3. اردو میں اصطلاح سازی کے اصولوں کا جائزہ لیجئے۔ 10

یا

علمی مضمون اور ادبی فن پارے کے ترجمے کے درمیان فرق کی وضاحت کیجئے۔

4. قومی اور تہذیبی یک جہتی کے لئے ترجمہ کیوں ضروری ہے ؟ 10

یا

روزمرہ کی زندگی میں کس طرح ترجمے کی ضرورت پڑتی ہے ؟

10 5. درج ذیل اقتباسات میں سے کسی ایک کا سادہ اور آسان اردو میں ترجمہ کیجیے۔

Indira Gandhi National Open University has introduced a number of modular programmes in order to provide a greater and more flexible environment . All academic programmes have been assigned credit weightage. In terms of study time for learners , one credit is equivalent to 30 hours of study .

In general , a two -year Master's Degree programmes are assigned 64-72 credits , Bachelor's Degree Programmes are assigned 96-129 credits , one year Diploma Programmes are of 24-36 credits and six -month Certificate Programmes are of 2-16 credits.

या

सर्वप्रथम सन् 1882 में प्रकाशित 'एक अज्ञात हिन्दू औरत की पुस्तक 'सीमन्तनी उपदेश' से स्त्री स्वातंत्र्य के विचार हिन्दी साहित्य में चर्चा में आए। सुश्री महादेवी वर्मा ने इस क्रम को और अधिक तेजस्विता से आगे बढ़ाते हुए घोषणा की - ''आज की बदली हुई परिस्थितियों में स्त्री केवल उन्हीं आदर्शों से सन्तोष न कर लेगी, जिनके सारे रंग उसके आँसुओं से धुल चुके हैं, जिनकी सारी शीतलता उसके संताप से ऊष्ण हो चुकी है। समाज यदि स्वेच्छा से उसके अर्थ सम्बन्धी वैषम्य की ओर ध्यान न दें, उसमें

परिवर्तन या संशोधन को आवश्यक न समझे, तो स्त्री का विद्रोह दिशाहीन आंधी जैसा वेग पकड़ता जाएगा।

आज साहित्य की सबसे लोकप्रिय विधा उपन्यास है। वह अन्य सभी विधाओं-कविता, नाटक आदि की अपेक्षा जनमानस के अधिक निकट है। कथा सम्राट प्रेमचंद ने कहा भी है कि उपन्यास मानव चरित्र का चित्र मात्र होता है। मानव चरित्र पर प्रकाश डालना और उसके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मूल तत्व है। यह वह साहित्य रूप है, जो न केवल जनसमाज की सही पहचान कराता है, वरन् समुचित रूप से जन का दिशा निर्देश भी करता है, उसे नवनिर्माण में प्रवृत्त होने की प्रेरणा भी देता है।